PG/IVS/HIN-404/14

M.A. 4th Semester Examination, 2014

HINDI

PAPER—HIN - 404

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

GROUP – A

Premchand (Special paper)

प्रेमचन्द (विशेष अध्ययन का पत्र)

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं *दो* की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

(*क*) उस वक्त मैं ने भी यह समझा कि शायद मुझे धोखा हो रहा हो । अब मालूम हुआ कि ताक-झाँक का क्या मतलब था ! अगर मैं ने दुनिया ज्यादा देखी होती तो तुम्हें अपने घर न आने देती । कम-से-कम तुम पर उनकी निगाह कभी न पड़ने देती, लेकिन क्या यह जानती थी कि पुरुषों के मुँह में कुछ और मन में कुछ और होता है ?

(*ख*) मैंने उनसे पूछा-साहब, सच बताओ, जब तुम सुराज का नाम लेते हो, तो उसका कौन सा रूप तुम्हारी आँखों के सामने आता है ? तुम भी बड़ी-बड़ी तलब लोगे ; तुम भी अँग्रेजों की तरह बंगलों में रहोगे, पहाड़ों की हवा खाओगे, अँग्रेजी ठाट बनाये घूमोगे, इस सुराज से देश का क्या कल्याण होगा । तुम्हारी और-तुम्हारे भाई-बन्दों की जिन्दगी भले आराम और ठाठ से गुजरे, पर देस का तो कोई भला न होगा ।

(*ग*) इन्हीं पण्डितजी के घर में तो बारहों मास जुआ होता है । यही साहुजी तो घी में तेल मिलाकर बेचते हैं । काम करा लेते हैं, मजुरी देते नानी मरती है । किस बात में हैं हम से ऊँचे । हाँ, मुँह में हम से ऊँचे हैं । हम गली-गली चिल्लाते नहीं कि हम ऊँचे हैं, हम ऊँचे ।

(घ) जो साहित्यकार अमीरों का मुँह जोहनेवाला है, वह रईसी रचना-शैली स्वीकार करता है ; जो जनसाधारण का है वह जन-साधारण की भाषा में लिखता है । हमारा उद्देश्य देश में ऐसा वायुमण्डल उत्पन्न कर देना है, जिसमें अभीष्ट प्रकार का साहित्य उत्पन्न हो सके और पनप सके ।

2. "जालपा भारत का उगता हुआ नारीत्व है । वह भविष्य के तूफानों की अग्रसूचना है ।" — इस कथन की समीक्षा कीजिए । 12

3. 'निर्मला' उपन्यास की मनोवैज्ञानिकता पर विचार कीजिए । 12

4. 'सद्गति' अथवा 'दो बैलों की कथा' कहानी की कलागत विशेषताएँ लिखिए । 12

5. पठित निबन्ध के आधार पर प्रेमचन्द की साहित्य सम्बन्धी मान्यताओं का विवेचन कीजिए । 12

GROUP – B

(*Nirala*)

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए

1. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या लिखिए : 8 × 2

(क) है अमानिशा, उगलता गगन घन अंधकार ;
खो रहा दिशा का ज्ञान ; स्तब्ध है पवन-चार ;
अप्रतिहत गरज रहा पीछे अम्बुधि विशाल
भूधर ज्यों ध्यान मग्न ; केवल जलती मशाल ।

अथवा

विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी-स्नेह-स्वप्न-मग्न-
अमल-कोमल-तनु तरुणी-जुही की कली,
दृग बंद किये, शिथिल,-पत्रांक में,
वासंती निशा थी ;
बिरह-विधुर-प्रिया संग छोड़
किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल ।

(ख) यही भाव हमारी जातीय मुक्ति के सूत्र,हमें लोकोत्तरानंद देने वाले, हमारी जाति की आत्मा, हमारी बुद्धि में सर्वोत्तम संस्कृत, हमें मनुष्य से देवता और देवता से ब्रह्म कर देने वाले हैं ।

अथवा

मैं देख रहा था, ऊपर के धुएँ के नीचे दीपक की शिखा

की तरह पगली के भीतर की परी इस संसार को छोड़कर कहीं उड़ जाने की उड़ान भर भरी थी । वह साँवली थी, दुनिया की आँखों को लुभाने वाला उसमें कुछ न था, दूसरे लोग उसकी रुखाई की ओर रुख न कर सकते थे, पर मेरी आँखों को उसमें वह रूप देख पड़ा, जिसे मैं कल्पना में लाकर साहित्य में लिखता हूँ ; केवल वह रूप नहीं, भाव भी ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* के उत्तर दीजिए : 12×2

(*क*) निराला के काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना के स्वर पर प्रकाश डालिए ।

(*ख*) 'राम की शक्ति पूजा' का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(*ग*) निराला के उपन्यासों में व्यक्त सामाजिक यथार्थ पर प्रकाश डालिए ।

(*घ*) पठित कहानियों के आधार पर निराला के कहानी शिल्प और कथ्य पर सोदाहरण चर्चा कीजिए ।

(*ङ*) 'हमारे साहित्य का ध्येय' निबंध के आधार पर निराला की साहित्य संबंधी धारणा पर प्रकाश डालिए ।